दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 17 अप्रैल 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 196

देश में बिगड़े कोरोना से हालात, एक दिन में 2.17 लाख से ज्यादा नए मामले, 1184 मौतें

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना का कहर बढ़ता जा रहा है। पिछले 24 घंटे के दौरान देश में 2.17 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए, जो एक दिन का सबसे ज्यादा आंकड़ा है। इससे पहले 15 अप्रैल को भी 2 लाख से ज्यादा केस मिले थे। अब देश में कुल संक्रमितों की संख्या 1,42,91,917 हो गई। वहीं सक्रिय मामले भी 15 लाख के पार पहुंच गए। पिछले 24 घंटे के दौरान 1185 लोगों ने जान गंवाई, जिसके बाद कुल मौतों की संख्या 1,74,308 हो गई। बता दें कि देश में लगातार 37 दिन से कोरोना के मामलों में इजाफा हो रहा है

कोरोना वायरस की दूसरी लहर बेहद घातक साबित हो रही है। गुरुवार को पहली बार इसने एक दिन में दो लाख संक्रमण का आंकड़ा पार कर लिया। ये इससे एक दिन पहले के मुकाबले 9 फीसदी अधिक था। इस दौर 1184 मरीजों की मौत हुई जो पिछले साल सितंबर के बाद सबसे ज्यादा है। इसी बीच देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 15 लाख पहुंच गई। इस महीने सक्रिय मरीजों की संख्या ढाई गुना तक बढ़ गई है। 31 मार्च को यह 6 लाख थी। ज्यादा सक्रिय मामलों का अर्थ है कि इससे संक्रमण का खतरा भी बढ़ेगा और मौतों की संख्या में भी तेजी आएगी। गुरुवार को 14 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अब तक के सबसे अधिक कोरोना संक्रमण के मामले सामने आए। सबसे अधिक महाराष्ट्र में 61,695 मामले सामने आए। देश में कुल 2,16,902 मामले सामने आए। महाराष्ट्र में कुल 349 मौते हुई हैं। इसके बाद छत्तीगढ़ में 135, दिल्ली में 112 और उत्तर प्रदेश में 104 लोगों की मौत हुई। गुजरता में 81, कर्नाटक में 66 और मध्य प्रदेश में 53 मरीजों ने दम तोड़ा। पंजाब में 51 मरीजों की जान गई और यहां मौत की दर सबसे अधिक प्रति 100 लोगों पर 2.7 फीसदी रही। राष्ट्रीय मृत्यु दर 1.22 फीसदी है। गुरुवार को उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड 22,439 मामले सामने आए। महाराष्ट्र के अलावा यूपी दूसरा राज्य है जहां 20 हजार से अधिक मामले सामने आए हैं।

16 राज्यों में विकराल रूप- कोरोना वायरस की भयावह रफ्तार के चलते अब तक 16 राज्यों में हालात बिगड़ चुके हैं। वहीं, कोरोना ने लगातार तीसरे दिन देश में एक हजार से ज्यादा लोगों की जान ले ली। दूसरी बार एक दिन में दो लाख से ज्यादा लोग कोरोना वायरस की चपेट में आए। पिछले वर्ष 30 जनवरी को देश में पहला संक्रमित मरीज मिला था। तब से लेकर अब तक एक दिन में सबसे अधिक मामले मिलने का यह नया रिकॉर्ड है। सिर्फ नौ दिन में प्रतिदिन मिलने वाले मामले एक से बढ़कर दो लाख हो गए। वहीं, अमेरिका में इतने ही मामले होने में 21 दिन लगे थे। संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने से ठीक होने की दर घटती जा रही है। देश में अभी 88.31 फीसदी मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि करीब 15 लाख सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। देश में कोरोना की सक्रिय दर 10.46 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जो इससे पहले कभी देखने को नहीं मिली। इसके अलावा देश में पहली बार एक दिन में 1.06 लाख सक्रिय केस बढ़े हैं।

ठीक होने वाले मरीजों की संख्या आधे से भी कम- स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में अब तक 1,24,29,564 मरीज कोरोना वायरस को मात देने में कामयाब हुए हैं। रोजाना के आधार पर दर्ज होने वाले नए कोरोना केसों की तुलना में ठीक होने वाले मरीजों की संख्या करीब आधे से भी कम है। वहीं, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के मुताबिक, देश में अब तक 26,20,03,415 नमूनों की कोरोना जांच की जा चुकी है। इनमें से 13,84,549 नमूनों की जांच बुधवार को की गई है।

हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और बंगाल में बढ़ने लगे मामले- हर दिन 80 से 82 फीसदी तक नए मामले महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और राजस्थान में देखने को मिल रहे हैं। इनके अलावा हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भी कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

एएसआई के संरक्षण वाले सभी 3693 ऐतिहासिक धरोहरें 15 मई तक बंद

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने अपने तहत आने वाले देश के सभी स्मारकों में पर्यटकों के प्रवेश पर 15 मई तक के लिए रोक लगा दी है। इसका अर्थ यह है कि अब दर्शकों को ताज महल, लाल किला और कुतुब मीनार जैसी इमारतों का दीदार करने के लिए कम से कम 15 मई या एएसआई के अगले आदेश तक इंतजार करना होगा। ये जानकारी खुद केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ट्वीट करके दी है। कोरोना वायरस के संक्रमण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए संस्कृति मंत्रालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित सभी स्मारकों को आगामी 15 मई तक बंद रखने का निर्णय किया है। वहीं, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के आदेश में कहा गया है कि, ''कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सभी केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के तहत संग्रहालयों को तत्काल प्रभाव से 15 मई या अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया गया है।'' सूत्रों के अनुसार, 3693 स्मारक और 50 संग्रहालय 15 मई तक बंद रहेंगे।

पूर्व सीबीआई चीफ रंजीत सिन्हा का दिल्ली में निधन

नईदिल्ली (आरएनएस)। सीबीआई के पूर्व निदेशक रंजीत सिन्हा का शुक्रवार को दिल्ली में निधन हो गया है। जानकारी के मुताबिक, 68 वर्षीय सिन्हा ने दिल्ली में शुक्रवार तड़के साढ़े 4 बजे के आसपास अंतिम सांसें लीं। सिन्हा भारतीय पुलिस सेवा के 1974 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी थे और वे अपने जीवनकाल में कई वरिष्ठ पदों पर रहे जिनमें सीबीआई निदेशक और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार सुबह 4-30 बजे उनका निधन हो गया है। अपने प्रोफेशनल करियर में सिन्हा ने सीबीआई डायरेक्टर, आईटीबीपी डीजी जैसे कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं, उनपर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे थे। सीबीआई ने ही उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले में केस भी दर्ज किया था। उनपर आरोप था कि उन्होंने सीबीआई डायरेक्टर के पद पर रहते हुए कोयला आवंटन घोटाले की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की थी। 1974 बैच के रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी सिन्हा की संदिग्ध भूमिका की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को आदेश दिया था। इस आदेश के तीन महीने बाद सीबीआई ने सिन्हा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

नीट पीजी परीक्षा स्थगित कराने सुको पहुंचे डॉक्टर

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के मद्देनजर नौ डॉक्टरों के एक समूह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर नीट पीजी परीक्षा स्थगित करने की मांग की है। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में पीजी कोर्सेज में दाखिले के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) प्रवेश परीक्षा 18 अप्रैल को होनी है, जिसे स्थगित करने की मांग के साथ डॉक्टरों का समूह सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है।

कोवैक्सिन का उत्पादन मई जून तक दोगुना और जुलाई-अगस्त तक लगभग छह से सात गुना बढ़ जाएगा

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार ने आत्म निर्भर भारत मिशन 3.0 कोविड सुरक्षा के तहत स्वदेशी कोविड टीकों के विकास और उत्पादन में तेजी लाने की घोषणा की थी। इसे भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है।

मिशन के तहत भारत सरकार का जैव प्रौद्योगिकी विभाग उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए वैक्सीन बनाने की सुविधाओं के लिए अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित कोवैक्सिन की वर्तमान उत्पादन क्षमता मई-जून तक दोगुनी हो जाएगी और फिर जुलाई - अगस्त 2021 तक लगभग 6-7 गुना बढ़ जाएगी यानी अप्रैल की 1 करोड़ वैक्सीन खुराक को बढ़ाकर जुलाई-अगस्त में 6-7 करोड़ वैक्सीन खुराक/महीना तक ले जाया जाएगा। सितम्बर तक इसके प्रति माह बढ़कर लगभग 10 करोड़ खुराक तक पहुंचने की उम्मीद है। कुछ हफ़्ते पहले, अंतर-मंत्रालय टीमों ने भारत में 2 मुख्य वैक्सीन निर्माताओं के कार्यस्थलों का दौरा किया था, ताकि वे इस बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें कि उत्पादन कैसे बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि में, टीका निर्माताओं के साथ चर्चा की जा रही योजनाओं पर व्यापक समीक्षा और व्यवहार्यता अध्ययन किए गए हैं। इस वृद्धि योजना के तहत, भारत बायोटेक लिमिटेड, हैदराबाद के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य निर्माताओं की क्षमताओं को आवश्यक बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी के साथ उन्नत किया जा रहा है।

यात्रियों के लिए ट्रेनों की कमी नहीं: रेलवे बोर्ड

» भीड़ न हो इसलिए रेलवे ने शुरू की स्पेशल ट्रेनें

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। कोरोना के डर से रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों पर भी यात्रियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ का लेकर रेलवे तैयारियों में जुट गया है।

रेलवे बोर्ड के सीइओ व चेयरमैन सुनीत शर्मा ने शुक्रवार को नई स्पेशल ट्रेनों के संचालन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, जो लोग यात्रा करना चाहते हैं,

उनके लिए ट्रेनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मैं सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि मांग के अनुसार ट्रेनें चलाई जाएंगी। देश के कई रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त भीड़भाड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने 140 अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की शुरुआत की है। इन सभी ट्रेनों का यह संचालन मई तक जारी रहेगा। आज एक दिन में औसतन 1490 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। क्लोन के तौर पर 28 स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रहीं हैं। कुल 70 फीसदी ट्रेन सर्विसेज की बहाली की गई है। भीड़भाड़ से बचने के लिए अप्रैल-मई के दौरान अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

उन्होंने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा, देश के जिस भी हिस्से में जहां भी ट्रेनों की आवश्यकता होगी वहां हम नई ट्रेनों को शुरू करने के लिए तैयार हैं। वर्तमान में रेलवे 1,490 स्पेशल ट्रेनें, 5,397 सबअर्बन ट्रेन सर्विसेज का संचालन कर रहा है। स्टेशनों पर लोगों की बढ़ती भीड़ को कम करने के लिए रेलवे 140 अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन करेगा जो अप्रैल-मई में 483 ट्रिप लगाएंगी। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन शर्मा ने आगे कहा, रेलवे ने करीब चार हजार कोविड-19 आइसोलेशन कोच को तैयार रखा हुआ है। ये सभी जोन और स्टेशन में रखे हुए हैं। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ चर्चा भी हुई है। जैसे ही राज्यों की तरफ से मांग आएगी उन्हें ये कोच उपलब्ध करवाए जाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर की जलवायु संबंधी खतरों की आकलन आज जारी की जाएगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश के सभी राज्यों और जिलों की जलवायु संबंधी खतरों के विषय में राष्ट्रीय स्तर पर एक विस्तृत रिपोर्ट शनिवार को जारी की जाएगी। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सक्रिय भागीदारी और सहयोग से किए गए आकलन और प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण अभ्यास के ज़रिए ऐसे संवेदनशील जिलों की पहचान की गई है, जो नीति-निर्माताओं को उचित जलवायु क्रियाओं को शुरू करने में मदद करेंगे। इससे बेहतर तरीके से जलवायु परिवर्तन अनुकूलन परियोजनाएं तैयार की जा सकेंगी और उनके ज़रिए जलवायु परिवर्तन का दंश झेल रहे देश के विभिन्न समुदायों को लाभ होगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) तथा स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन के समर्थन

से किए गए इस देशव्यापी अभ्यास में 24 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 94 प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

रिपोर्ट का शीर्षक है-क्लाइमेट वल्नरेबिलिटी एसेसमेंट फॉर एडाप्टेशन प्लानिंग इन इंडिया यूसिंग ए कॉमन फ्रेमवर्क। इस रिपोर्ट में भारत के ऐसे सबसे संवेदनशील राज्यों और जिलों की पहचान की गई है जो मौजूदा जलवायु संबंधी खतरों और संवेदनशीलता के मुख्य कारकों से जूझ रहे हैं। रिपोर्ट को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रोफेसर आशुतोष शर्मा जारी करेंगे।

भारत जैसे विकासशील देश में संवेदनशीलता के आकलन को उपयुक्त अनुकूलन परियोजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि विभिन्न राज्यों और जिलों का संवेदनशीलता आकलन हमारे पास मौजूद है लेकिन, उनकी आपस में तुलना नहीं की जा सकती क्योंकि इन आकलनों के लिए जिन पैमानों का इस्तेमाल किया गया है, वे अलग अलग हैं, इसलिए ये नीतिगत और प्रशासनिक स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता को सीमित करते हैं।

इस ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए डीएसटी और एसडीसी ने हिमालयी क्षेत्र के संवेदनशीलता आकलन के लिए एक समान प्रारूप बनाने का समर्थन किया। यह जलवायु परिवर्तन संबंधी अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की पांचवीं मूल्यांकन रिपोर्ट (एआर 5) पर आधारित था। इस समान प्रारूप और इसे लागू करने के लिए ज़रूरी मैनुअल को आईआईटी मंडी, आईआईटी गुवाहाटी और भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु ने तैयार किया। इस प्रारूप को भारतीय हिमालयी क्षेत्र के सभी 12 राज्यों (अविभाजित जम्मू-कश्मीर समेत) में क्षमता निर्माण प्रक्रिया के जरिए लागू किया गया।

इस दिशा में किए गए प्रयासों के नतीजे हिमालयी राज्यों के साथ बांटे गए जिसके कई सकारात्मक परिणाम सामने आए जैसे कि इनमें से कई राज्यों ने पहले से ही संवेदनशीलता मूल्यांकन आधारित जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यों को प्राथमिकता दी है और उन्हें लागू भी कर चुके हैं।

मुंबई लोकल आम यात्रियों के लिए नहीं होगी बंद, किराना, पेट्रोल और सब्जी मार्केट बंद होने की आशंका

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई लोकल रेलसेवा आम लोगों के लिए बंद नहीं की जाने वाली है. इस बारे में राज्य सरकार का स्पष्टीकरण आ गया है. ऐसा कहा जा रहा था कि मिनी लॉकडाउन का तब तक असर नहीं होगा जब तक लोकल में भीड़ कायम रहेगी. इसे देखते हुए यह संभावना जताई गई थी मुंबई लोकल सेवा को एक बार फिर से सिर्फ अति आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को लिए ही सिर्फ शुरू रखा जाएगा और आम लोगों के लिए इसमें प्रवास करने में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा. लेकिन आज (16 अप्रैल,शुक्रवार) सुबह राज्य सरकार ने इस मुद्दे पर सफाई दी है कि लोकल सेवा आम यात्रियों के लिए बंद नहीं की जाएगी. लेकिन यात्रियों को लोकल में यात्रा करने के लिए उचित कारण बताना होगा. अन्यथा कार्रवाई की जाएगी. यानी बिना सही वजह यात्रा पर ही सिर्फ बंदी होगी. गुरुवार से राज्य भर में धारा 144 (संचारबंदी) लागू की गई. लेकिन इसके बावजूद बाजारों में भीड़ कम नहीं हुई. राज्य सरकार शुक्रवार से नियमों को और कड़ाई से पालन करवाने की योजनाओं पर अमल करेगी. गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए कैबिनट मंत्री विजय वडेट्टीवार ने कहा कि नियम तोड़ने पर और अनावश्यक रूप से भीड़ बढ़ाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी और भीड़ कम नहीं हुई तो नियम और कड़े किए जाएंगे.

फिर प्रवासी श्रमिकों का पलायन शुरू, आनंद विहार बस अड्डे पर उमड़ी भीड़

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी की चौथी लहर को काबू करने के लिए पहले लगाए गए नाइट कर्फ्यू और अब वीकेंड कर्फ्यू ने प्रवासी मजदूरों की परेशानी और बढ़ा दी है। काम-धंधे प्रभावित होने और बीते साल लगाए गए लॉकडाउन में हुई दिक्कतों को देखते हुए अब इन प्रवासी श्रमिकों ने दिल्ली से पलायन शुरू कर दिया है। शुक्रवार को आनंद विहार बस अड्डे पर घर वापस लौटने वालों की भारी भीड़ देखी गई। इन लोगों को फिर से लॉकडाउन का डर सता रहा है।

आनंद विहार बस अड्डे पहुंचे एक व्यक्ति ने बताया कि यहां कल से वीकेंड कर्फ्यू लगने वाला है, इसलिए अब हम अपने गांव प्रतापगढ़ वापस जा रहे हैं क्योंकि हम रोज कमाने-खाने वाले इंसान हैं, यदि काम बंद हो जाएगा तो हम यहां क्या करेंगे। इस बार हर कोई किसी भी तरह जल्द से जल्द अपने घर पहुंचने के लिए जद्दोजहद कर रहा है। प्रवासी मजदूरों के पलायन से जुड़ी ऐसी कुछ खबरें एनसीआर के अन्य शहरों से भी सामने आ रही हैं, जहां से लोगों ने अपने घरों को लौटना शुरू कर दिया है।

दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लगने से पहले बड़ी संख्या में लोग आनंद विहार बस टर्मिनल पहुंचे। एक व्यक्ति ने बताया, यहां कल से वीकेंड कर्फ्यू लगने वाला है इसलिए हम अपने गांव प्रतापगढ़ जा रहे हैं क्योंकि हम रोज़ कमाने वाले इंसान हैं..काम बंद हो जाएगा तो हम यहां क्या करेंगे।

देश भर में अब तक 11 करोड 72 लाख से अधिक टीके लगाये गये

» 26 करोड़ से अधिक कोविड जांच

नईदिल्ली (आरएनएस)। दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में देश में लगाए गये कोविड-19 टीकों की कुल संख्या आज 11.72 करोड़ से अधिक हो गई।

आज सुबह सात बजे तक की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार, 17,37,539 सत्रों के जरिये कुल मिलाकर 11,72,23,509 टीके लगाये जा चुके हैं। इनमें 90,82,999 एचसीडब्ल्यू है, जिन्होंने पहली खुराक ली है तथा 56,34,634 एचसीडब्ल्यू है,

जिन्होंने दूसरी खुराक ली है, 1,02,93,524 एफएलडब्ल्यू (पहली खुराक), 51,52,891 (दूसरी खुराक) 60 वर्ष से अधिक आयु के 4,42,30,842 पहली खुराक के लाभार्थी तथा 30,97,961 दूसरी खुराक के लाभार्थी एवं 45 से 60 वर्ष की उम्र के 3,87,41,890 (पहली खुराक) तथा 9,88,768 (दूसरी खुराक) के लाभार्थी शामिल हैं।

देश में अभी तक लगाये गये कुल टीकों के 59.63 प्रतिशत में 8 राज्यों की भागीदारी है। टीकाकरण अभियान के 90वें दिन (15 अप्रैल, 2021) 27,30,359 टीके लगाये गये। इनमें से 21,70,144 लाभार्थियों को 39,280 सत्रों में पहली खुराक के लिए टीके लगाये गये तथा 5,60,215 लाभार्थियों ने टीके की दूसरी खुराक प्राप्त की।

देशभर में कोविड की 26 करोड़ से अधिक जांच की जा चुकी है और कुल पॉजिटिविटी दर 5.42 प्रतिशत है।

भारत में दैनिक नये मामले निरंतर बढ़ रहे हैं। पिछले 24 घंटों में 2,17,353 नये मामले दर्ज किये गये।

10 राज्यों महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, चंडीगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गुजरात, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में कोविड के दैनिक नये मामलों में बढ़ोत्तरी प्रदर्शित की गई है। नये मामलों के 79.10 प्रतिशत इन्हीं 10 राज्यों से दर्ज किये गये हैं।

महाराष्ट्र ने 61,695 दैनिक नये मामलों के साथ सर्वाधिक संख्या दर्ज कराई है। 22,339 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली में 16,699 नये मामले दर्ज किये गये हैं।

भारत के कुल सक्रिय मामले 15,69,743 तक पहुंच चुके हैं। यह देश के कुल पॉजिटिव मामलों का 10.98 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कुल सक्रिय मामलों में 97,866 मामलों की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

5 राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल में भारत के कुल सक्रिय मामलों में 65.86 प्रतिशत की भागीदारी है। देश के कुल सक्रिय मामलों में अकेले महाराष्ट्र की 39.60 प्रतिशत की भागीदारी है।